कहानी 6

सुरेश और जमुना देवी का परिवार रामपुरा गांव में रहता है, उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। सुरेश पास के शहर में भवन निर्माण के काम में मजदूरी करके अपने परिवार का पालन–पोषण करता है। उनके दो बच्चे हैं, बड़ी बेटी सुरभि और छोटा बेटा–अनिल। बड़ी बेटी सुरभि की उम्र 13 साल है जो गांव के ही स्कूल में कक्षा 8 में पढ़ती है और वह पढ़ाई में बहुत होशियार है।

सुरेश कई दिनों बाद गांव में अपने घर वापस आया है। वह बहुत ही कमजोर हो गया है। पत्नी के जोर देने पर उसने बताया – डॉक्टर को दिखाने से पता चला कि उसे लीवर की बीमारी हो गयी है और वह कोई भी मेहनत का काम नहीं कर सकता है। इस पर जमुना देवी ने सुरेश को काम पर नहीं जाने दिया और कहा कि घर पर रहकर ही दवा खाये और आराम करे। अब मजदूरी का काम वह खुद ही करने लगी। इससे परिवार की स्थिति और खराब हो गयी। जमुना देवी की मजदूरी से परिवार का पालन–पोषण ठीक से नहीं हो पा रहा था, इसलिये जमुना देवी ने न चाहते हुए भी बड़ी बेटी सुरभि का स्कूल छुड़ा दिया। वह उसे अपने साथ मजदूरी पर ले जाने के लिये मजबूर हो गई ताकि परिवार की आय में कुछ बढ़ोत्तरी हो सके। सुरभि आगे की पढ़ाई करना चाहती थी, लेकिन

परिवार की हालत देखते हुए उसने मां के साथ मजदूरी करके परिवार की मदद करना ठीक समझा।

एक दिन किसी अन्य जगह पर मजदूरी करने वाला सुरेश का दोस्त उससे मिलने उसके घर आया तो पता चला कि सुरेश तो बीमार है। परेशानियों को देखकर उसने जमुना देवी को बताया कि सुरेश तो "कर्मकार कल्याण बोर्ड उ.प्र." में पंजीकृत है और इस बोर्ड के द्वारा मजदूरों को लाभ पहुंचाने के लिये विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें से 2–3 योजनाओं का नाम भी बताया जिनसे सहायता मिल सकती है।

इन योजनाओं से लाभ लेने हेतु जमुना देवी ने अपनी बेटी की शिक्षा को जारी रखने के लिए और अपने बीमार पति के इलाज हेतु सहायता के लिए तुरंत ही "कर्मकार कल्याण बोर्ड" में आवेदन किया। इसके फलस्वरूप जमुना देवी की बेटी सुरभि को "मेधावी छात्र पुरस्कार योजना" से मेधावी पुरस्कार के रूप में धनराशि दी गयी जिसके द्वारा उसने मजदूरी छोड़कर आगे की पढ़ाई अच्छे नम्बरों से पास होकर पूरी की और "गंभीर बीमारी सहायता योजना" से लाभ लेकर सुरेश का इलाज भी अच्छे से चल रहा है।

अब जमुना देवी को घर चलाने में परेशानियां कम होने लगी हैं और बच्चों को भी अपने साथ मजदूरी पर नहीं ले जाना पड़ता साथ ही उसके पति का इलाज समय पर होने के कारण स्वास्थ्य भी ठीक होता जा रहा है। वह जल्दी ही काम करने के योग्य हो जायेगा।

1

2

3

4

5

6

चर्चा के बिन्दुः

- परिवार की आर्थिक हालत खराब होने की स्थिति में, क्या बच्चों से काम कराना उचित है?
- यदि हमारे आस–पास किसी व्यक्ति की परिस्थितियां कहानी की परिस्थितियों से मेल खाती हों, तो हमें क्या करना चाहिये?
- कर्मकार कल्याण बोर्ड का कार्यालय कहां होता है और इसमें पंजीकरण कैसे कराया जाता है?

Concept and Design: New Concept Information Systems Pvt. Ltd., New Delhi

Supported by
unicef
unite for children